

नबिंध रणनीति

सविलि सेवा के बदले हुए पाठ्यक्रम ने आपके अंतिम चयन में नबिंध को निर्धारक भूमिका में ला खड़ा किया है। सामान्य अध्ययन के चारों प्रश्नपत्रों की अपेक्षा नबिंध के प्रश्नपत्र में अपेक्षाकृत कम मेहनत करके अधिक अंक लाए जा सकते हैं। आप 250 अंकों के प्रश्नपत्र में 160-170 अंक तक प्राप्त कर सकते हैं।

- हालाँकि, ऐसा देखा जाता है कि नबिंध के प्रश्नपत्र को अनेक परीक्षार्थी बहुत हल्के में ले लेते हैं और सीधे परीक्षा भवन में ही जाकर नबिंध लिखते हैं। इनमें कुछ प्रतभाषाली वदियार्थी जो स्कूल और कॉलेज स्तर पर नबिंध लेखन करते रहे हैं, वे बेहतर प्रदर्शन करते हैं। परंतु, परीक्षार्थियों का एक बड़ा तबका अपने 'अति आत्म-वश्वास' का शिकार हो जाता है, क्योंकि सभी में तो ऐसी प्रतभाषा नहीं हो सकती कि सीधे परीक्षा भवन में नबिंध लिखें और अच्छे अंक पा जाएँ।
- आपके मन में एक बड़ा सवाल यह उठता रहा होगा कि आखिर नबिंध की तैयारी कैसे की जाए? इसके लिये कौन सी किताब पढ़ी जाए? तो यहाँ आपको स्पष्ट कर दें कि ऐसी कोई एक किताब नहीं है जिससे पढ़कर आप रातोंरात नबिंध में पारंगत हो जाएँ। कोई ऐसी वधि भी नहीं है जिससे रटकर आप नबिंध के प्रश्नपत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।
- अब, आप सोच रहे होंगे कि फिर ऐसा क्या है जो नबिंध के प्रश्नपत्र में आपको सहज और सफल बनाएगा? संघ लोक सेवा आयोग के नबिंधों की मूल प्रवृत्ति ही रचनात्मक रही है। यहाँ आपसे इस बात की बहुत अधिक उम्मीद नहीं की जाती है कि आप दिये गए वषिय में तथ्यों का वशील पहाड़ खड़ा कर दें, बल्कि अधिक उम्मीद यह की जाती है कि आप अपने रचनात्मक और कल्पनात्मक कौशल का परिचय देते हुए दिये गए वषिय की अवधारणा को स्पष्ट करें। नबिंध को नीरस व उबाऊ बनाने की बजाय सरस व रोचक बनाएँ।
- सविलि सेवा परीक्षा के वर्तमान प्रारूप में नबिंध लेखन में एक चुनौती यह आती है कि कम-से-कम शब्दों में पूरे वषिय को स्पष्ट कैसे किया जाए? इसके लिये जो सबसे ज़रूरी बात है, वह है नयित समय व नयित शब्द-सीमा में लिखने का अभ्यास।
- प्रारंभिक परीक्षा के पश्चात् बचे हुए चार महीनों में जो सबसे पहला कार्य आपको करना है वह है- अधिक से अधिक वषियों पर लेखन अभ्यास, खासकर उन वषियों पर जो सविलि सेवा परीक्षा में अब तक पूछे जा चुके हैं।
- हालाँकि, सविलि सेवा परीक्षा में इस बात की बहुत कम ही संभावना रहती है कि वषिय रमिट हो। मगर यह ज़रूर है कि अगर आपने वगित वर्षों की परीक्षा में पूछे गए या उनकी प्रवृत्ति से मिलते-जुलते नबिंधों का अभ्यास कर लिया, तो परीक्षा भवन में पूछे गए नबिंध आपको नए नहीं लगेंगे। आप उनकी मूल प्रवृत्ति को समझ सकेंगे और बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।
- आप प्रयास यह करें कि बचे हुए चार महीनों में प्रतिदिन कम-से-कम एक वषिय पर नबिंध लिखें, प्रतिदिन नहीं तो कम-से-कम दो दिनों में एक नबिंध अवश्य लिखें।
- सबसे बड़ा सवाल नबिंध के प्रश्नपत्र को लेकर यह है कि क्या पढ़ा जाए? पहले भी यह चर्चा की जा चुकी है कि इसके लिये कोई एक ऐसी किताब नहीं है। वस्तुतः नबिंध आपके संपूर्ण व्यक्तित्व का परीक्षण है। इससे आपकी संवेदना और आपकी सोच का पता चलता है।
- कुछ आवश्यक सामग्री जो आपके नबिंध लेखन में लाभदायी होंगी उनमें नियमिति रूप से अखबारों में छपे संपादकीय लेख अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं जो किसी वषिय के प्रति आपकी समझ को विकसित करने में लाभकारी सिद्ध होंगे।
- इसके अलावा, कुछ प्रसिद्ध नबिंधकारों के नबिंध पढ़ें और यह समझने की कोशिश करें कि दिये गए वषिय को किस तरह से लेखक ने कितने आयामों में बाँटा है और उसके क्या मनोभाव रहे हैं? ज़रूरी हो तो आवश्यक बातों को नोट भी करें।
- कुछ प्रसिद्ध महापुरुषों के कथन, शायरी, कविता भी याद कर लें, इनका एक संग्रह भी बना सकते हैं खासकर, गरीबी, न्याय, महिला, विज्ञान, धर्म, भ्रष्टाचार से जुड़े वषियों पर।
- पूरे में नबिंध के लिये बाज़ार में कोई स्तरीय पुस्तक उपलब्ध नहीं होने के कारण इसके लिये अध्ययन सामग्री की कमी रहती थी। लेकिन हाल ही में 'दृष्टि पब्लिकेशन' द्वारा प्रकाशित 'नबिंध-दृष्टि' पुस्तक ने इस कमी को दूर कर दिया है। इस पुस्तक में लिखे गए नबिंध न केवल परीक्षा के दृष्टिकोण से विभिन्न श्रेणियों में विभाजित हैं बल्कि प्रत्येक नबिंध की भाषा-शैली एवं अप्रोच भी स्तरीय है।

कैसे बनाएँ नबिंध को रोचक?

- नबिंध को रोचक बनाने के लिये शायरी, कहानी, लोकोक्ति, श्लोक, संस्मरण, प्रसिद्ध वदिवानों के कथन या अन्य बातें जो आपको लगे कविषय से जुड़ी हुई और प्रासंगिक हैं, उनका इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आप इनका इस्तेमाल नबिंध की शुरुआत, मध्य या अंत में अथवा जहाँ भी उचित मालूम पड़े, कर सकते हैं। मगर इस बात का ध्यान रहे कि आपके द्वारा इस्तेमाल की गई कविता/कहानी वषिय से जुड़ती हो, वह वषिय से एकदम भिन्न न हो, या फरि यूँ ही इस्तेमाल न की गई हो।
- इनका इस्तेमाल आपके नबिंध को रोचक व प्रवाहमय बनाएगा और परीक्षक आपके नबिंध को पढ़ते वक्त बोर भी नहीं होगा। वदिवानों के कथन आपकी बात को पुष्ट व प्रमाणिक बनाते हैं, कभी-कभी तो सीधे कोई काव्य पंक्ति या वदिवानों के कथन नबिंध के वषिय के रूप में पूछ लिये जाते हैं। इससे आप इनकी महत्ता समझ सकते हैं।
- वस्तुतः नबिंध का उद्देश्य आपके ज्ञान परीक्षण से अधिक आप के व्यक्तित्व का परीक्षण करना है। आप कैसे इंसान हैं? सविलि सेवक बनने के बाद आप आम जन की भावना और संवेदना से जुड़ पाएंगे या नहीं? आपके नबिंध लेखन में ये भाव आपके लाख छपाने के बाद भी अभिव्यक्त हो जाते हैं।
- नबिंध और इंटरव्यू में काफी हद तक समानता भी इसी बात को लेकर है। इसलिये, नरितर अपने व्यक्तित्व को नखिरने और सकारात्मक वचिरों को नरितर ग्रहण करने का प्रयास करें। आशावादी बनें, समस्याओं के समाधान बताएँ न कि समस्याएँ खड़ी करें। आपकी नरिशवादी वचिरधारा आपको प्रतियोगिता से बाहर कर सकती है, यकीन मानें।

नबिंध लिखते समय क्या हो वचिरधारा?

- परीक्षार्थियों के समक्ष एक बड़ी समस्या इस बात को लेकर रहती है कि नबिंध लेखन के समय हमारी वचिरधारा क्या हो? क्या किसी खास वचिरधारा का कोई असर पड़ता है? क्या हम सरकारी नीतियों का वरिध कर सकते हैं?
- इसका सीधा-सा जवाब है कि हमारी वचिरधारा चाहे जो भी हो, बस आम जन के वरिध वाली नहीं होनी चाहिये; किसी लगी, जाति व धर्म के प्रतति दुराग्रहपूर्ण नहीं होनी चाहिये, और अगर ऐसा है तो नशिचति रूप से इसका असर पड़ता है। जहाँ तक सरकारी नीतियों के वरिध की बात है तो उचित वरिध किया जा सकता है, मगर सरिफ वरिध करने के लिये वरिध न करें।

कैसे करें वषियों का चुनाव?

- पछिले वर्ष पूछे गए नबिंध के प्रश्नपत्र में प्रथम व द्वितीय खण्ड से 4-4 नबिंध पूछे गए जनिमें दोनों खण्डों से 1-1 वषिय का चुनाव करना था। यानी अब आपको एक नहीं दो वषियों पर नबिंध लिखना होगा और इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि भविष्य में यह संख्या और भी बढ़ जाए।
- ऐसे में वषिय चयन के प्रतति सावधानी अति आवश्यक है। आप दिये गए वकिल्पो में जसिमें अधिक सहज हों, जो आपकी रुचि से जुड़ा हो, उसका चयन करें। लेकिन यह चयन सोच समझकर करें क्योंकि एक बार लिखना शुरू करने के बाद फरि आपको लगे कि आप किसी और वषिय पर ज़्यादा अच्छा लिख सकते थे, तो इससे आपके समय और ऊर्जा दोनों की बर्बादी होती है, साथ ही आपका आत्मवशिवास भी गरिता है और लिखकर काटना, फरि लिखना परीक्षक पर भी सकारात्मक असर नहीं डालता है।
- एक बार यदि किसी वषिय पर लिखना शुरू कर दें तो पूरे आत्मवशिवास के साथ लिखें। ध्यान रखें कि नबिंध के किसी भी प्रश्न का कोई एक नशिचति उत्तर नहीं होता। यह आप पर नरिभर करता है कि आपका वषिय के प्रतति क्या नज़रिया है, आप वषिय को कैसे परभाषति करते हैं? जैसे कि थूपीएससी ने 2005 में एक नबिंध पूछा था- 'शशि को खलाने वाले हाथ'। इस पर किसी परीक्षार्थी ने शशि को खलाने वाले हाथों को माँ के नज़रिय से देखा तो किसी ने पूरे परिवार व समाज के नज़रिय से। नबिंध के रूप में जवाब कभी पूर्णतया सही या गलत नहीं होते। हाँ, यह प्रयास अवश्य करें कि दिये गए वषिय के मूलभाव तक पहुँच सकें।

परीक्षा भवन में क्या करें?

- प्रश्नपत्र सामने आते ही पहले सभी वषियों को आराम से पढ़ें, फरि जो आपको अधिक रुचिपूर्ण लगे उसका चयन करें।
- दिये गए वषिय के पक्ष व वपिक्ष में कुछ बटुि सोचें व नोट करें, फरि उन्हें सम्यक रूप से लिखने की कोशशि करें।
- कई बार, कुछ वषियों में सरिफ पक्ष या सरिफ वपिक्ष का चुनाव कर सकते हैं, मगर ऐसे में आपके पास सरिफ वरिध या सरिफ समर्थन के ठोस तर्क होने चाहियें, हवा-हवाई बातों से काम नहीं चलेगा। अंत में नशिक्ष अवश्य लिखें जो कि आपके नबिंध का सार है।

कैसे करें लिखने की शुरुआत? क्या हो उचित समापन?

- नबिंध का उत्तर लखिते समय कुछ परीक्षार्थियों के मन में बड़ा प्रश्न यह होता है कि पहली पंक्ति में क्या लिखें? शुरुआत कहाँ से करें, तो बिना डरे किसी कविता, कहानी, कोई संस्मरण, किसी फ़िल्म का प्रासंगिक दृश्य, आपके जीवन से जुड़ी कोई घटना आदि से शुरुआत की जा सकती है।
- अंत भी ऐसा ही हो जो वषिय के मूलभाव को संतुलित तरीके से समेट सके।
- इसमें अच्छे अंक प्राप्त करने के लिये आप परीक्षा से पूर्व इससे सम्बंधित किसी मॉक टेस्ट श्रृंखला में सम्मिलित हो सकते हैं। अगर संभव हो तो आप 'दृष्टि दवाज़िन' द्वारा दलिली में चलाई जाने वाली नबिंध की कक्षाओं में भाग ले सकते हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/essay-strategy>

